



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ४४] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च १९ १९७७/फाल्गुन २८, १८९८

No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 19, 1977/PHALGUNA 28, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 19th March 1977

SUBJECT —Scheme for exports of Indian shirts, blouses and cotton bedlinen to Norway during the quota year 1st January, 1977—31st December, 1977.

No 9-ETC(PN)/77.—The scheme relates to exports of (1) shirts for boys and men and (2) blouses for girls and women manufactured out of all fibres and (3) cotton bedlinen to Norway from 1st January, 1977 to 31st December, 1977

2. Exports will be allowed from any port in India.

3. Quotas for export of these items to Norway will be allotted on first-come-first-served basis and as soon as the ceiling in any of the three items is pierced, further allotment of quotas for that item will be stopped forthwith

4. However, exports of handmade cottage industry products made of handloom fabrics or traditional folklore handicrafts products falling within the three categories mentioned above viz shirts for boys and men, blouses for girls and women and cotton bedlinen, will not be subject to quota restrictions and hence it is not necessary to obtain Export Certificates for export of such items to Norway during 1977. Nevertheless, exports of such exempted items are subject

to issuance of another certificate declaring that the items being exported are cottage industry products of India. Such Handloom Certificates will be issued by the Textile Committee, Bombay or its representatives at upcountry ports.

5. Imports of shirts, blouses and cotton bedlinen will not be admitted by Norwegian authorities during 1977, unless they are accompanied with either Export Certificates issued by the Cotton Textiles Exports Promotion Council or Handloom Certificates issued by the Textile Committee.

6. Quotas issued by the Cotton Textiles Export Promotion Council will not be transferable without the express consent of the Council in writing.

7. A non-rewundable charge will be levied by the Cotton Textiles Export Promotion Council for issue of quotas.

8. All shippers shall submit a monthly report to Cotton Textiles Export Promotion Council giving details of shipments effected against quotas issued to them. These statements should reach the Council by the 10th of the subsequent month.

9. The addresses of Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay and the Textiles Committee, Bombay are given below:—

(i) Cotton Textiles Export Promotion Council, 9, Mathew Road, Bombay-400004

(ii) Textiles Committee, Crystal Building, 79, Dr. Annie Beasant Road, Worli, Bombay-500018.

A. S. GILL,

Chief Controller of Imports & Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1977

विषय. कोटा वर्ष 1-1-77 से 31-12-77 के दौरान नावों को भारतीय कमीजों, ब्लाउजों एवं सूती बेडलाइनेन का निर्यात करने के लिए योजना।

संख्या 9-ईटीसी (पीएन) '77—यह योजना (1) लड़को एवं मर्दों के लिए कमीजों और (2) लड़कियों एवं औरतों के लिए सम्पूर्ण धागे से बनी ब्लाउजों एवं (3) सूती बेडलाइनेन का 1 जनवरी, 1977 से 31 दिसम्बर, 1977 तक नावों को निर्यात करने से सम्बन्धित है।

2. निर्यात की स्वीकृति भारत के किसी भी पत्तन से दी जाएगी।

3. नावों को इन मदों के निर्यात के लिए कोटा पहले आए सो पहले पाए के आधार पर नियत किया जाएगा एवं जैसे ही इन मदों में से किसी भी एक मद की उच्चतम सीमा पहुंच जाती है, इसके साथ ही उस मद के लिए आगे कोटे का नियन्त्रण बन्द कर दिया जाएगा।

4. लेकिन, हथकरघा वस्त्र निर्मित हस्तनिर्मित गृह उद्योग उत्पादों या परम्परागत लोक हस्तशिल्प उत्पादों जो उपर्युक्त तीन मदों की श्रेणी अर्थात् लड़को एवं मर्दों के लिए कमीज, लड़कियों एवं औरतों के लिए ब्लाउज तथा सूती बेडलाइनेन के अन्तर्गत आते हैं, उनके निर्यात कोटा प्रति-बधिता के अधीन नहीं होंगे और इसलिए 1977 के दौरान नावों को इस प्रकार की मदों का निर्यात करने के लिए निर्यात प्रमाण-पत्र लेने की जरूरत नहीं है फिर भी, इस प्रकार से छूट प्राप्त मदों के

निर्यात अन्य ऐसे भी प्रमाण पत्र जारी करने के अधीन होंगे कि निर्यात की जाने वाली मर्चें भारत के गृह उद्योग उत्पाद हैं। इस प्रकार के हस्तकरघा प्रमाण-पत्र वस्त्र समिति, बम्बई द्वारा या देश के भीतर के पत्तनों के प्राधिकारियों द्वारा जारी किए जाएंगे।

5 कमीजों, ब्लाउजों एवं सूती बेडलाइनेजों के आयात की स्वीकृति नार्बो के प्राधिकारियों द्वारा तब तक नहीं दी जाएगी जब तक उनके साथ या तो सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा जारी किए गए निर्यात प्रमाण पत्र या वस्त्र आयुक्त द्वारा जारी किए गए हस्तकरघा प्रमाण पत्र नहीं हैं।

6 सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा जारी किए गए कोटे परिषद् की लिखित रूप में दिए गए स्पष्ट विचार के बिना हस्तान्तरण नहीं होंगे।

7. कोटे जारी करने के लिए, सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् अदेय एक शुल्क वसूल करेगी।

8 पोत बॉण्डों को जारी किए गए कोटों के मद्दे किए गए पोतलवानों का ब्यौरा देते हुए सभी को सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् को एक मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी पड़ेगी।

9. सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्, बम्बई एवं वस्त्र समिति, बम्बई के पते नीचे दिए जाते हैं —

(1) सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्, 9, मैथ्यू रोड, बम्बई-400004

(2) वस्त्र समिति, क्राइस्टल बिल्डिंग, 79, डा० एनी बेसेन्ट रोड, वार्ली, बम्बई-500018.

ए० एम० गिल,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

